अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सत्र २०१८-२० की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की चतुर्थ बैठक का कार्यवृत

रविवार, ०७ जुलाई २०१९

सम्मेलन कार्यालय सभागार, डकबैक हाउस, कोलकाता

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक ०७ जुलाई २०१९ को सम्मेलन कार्यालय सभागार (डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता) में आयोजित की गयी। बैठक का सभापतित्व सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने किया। बैठक में निम्नलिखित उपस्थित थे:

१. श्री संतोष सराफ	२. श्री सीताराम शर्मा	३. डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया	४. श्री रामअवतार पोद्दार
५. श्री प्रह्लाद राय अगरवाला	६. श्री विवेक गुप्त	७. श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला	८. श्री संजय हरलालका
९. श्री दामोदर प्र. बिदावतका	१०. श्री गोपाल अग्रवाल	११. श्री नंद किशोर अग्रवाल	१२. श्री बिनोद तोदी
१३. श्री निर्मल कुमार काबरा	१४. श्री मधुसूदन सीकरिया	१५. श्री आत्माराम सोन्थलिया	१६. डॉ. जुगल किशोर सर्राफ
१७. श्री दिनेश जैन	१८. श्री महेश जालान	१९. श्री आनन्द अग्रवाल	२०. श्री शिव कुमार लोहिया
२१. श्री रमेश कुमार बूबना	२२. श्री नंदलाल सिंघानिया	२३. श्री सम्पतमल बच्छावत	२४. श्री प्रेमचंद सुरेलिया
२५. श्री शरत झुनझुनवाला	२६. श्री रतनलाल अग्रवाल	२७. श्री बिजय कुमार डोकानियाँ	२८. श्री उमेश कुमार शाह
२९. श्री केदार नाथ गुप्ता			

निम्नलिखित सदस्यों ने अनुपस्थिति की सूचना दी:

१. श्री नंदलाल रुँगटा	२. श्री विनय सरावगी	३. श्री पवन कुमार गोयनका	४. श्री राज कुमार मिश्रा
५. श्री अरुण कुमार सुरेका	६. श्री शिव कुमार अग्रवाल	७. श्री बसन्त मित्तल	८. श्री रमेश बंग
९. श्री रामपाल अट्टल	१०. श्री अशोक जालान	११. श्री बिजय केडिया	१२. श्री गौरीशकर अग्रवाल
१३. श्रीमती सुषमा अग्रवाल	१४. श्री भानीराम सुरेका	१५. श्री गोवर्धन प्र. गाड़ोदिया	१६. श्री बी.पी. यादुका
१७. श्री बिश्वनाथ भुवालका	१८. श्री जुगल किशोर जाजोदिया	१९. श्री रतनलाल शाह	२०. श्री कैलाशपति तोदी
२१. श्री विजय किशोरपुरिया	२२. श्री रणजीत जालान	२३. श्री गोविन्द प्र. केजरीवाल	

बैठक में सर्वप्रथम श्री सराफ ने सभी उपस्थितों का स्वागत किया एवं उसके बाद १३ जून २०१९ को दिवंगत सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्य श्री ओम लड़िया, २३ जून २०१९ को दिवंगत वित्त-विशेषज्ञ श्री नंदलाल शाह, ३ जुलाई २०१९ को दिवंगत समाजसेवी श्री सांवरमल भीमसरिया एवं ३ जुलाई २०१९ को ही दिवंगत सुप्रसिद्ध उद्योगपति-समाजसेवी श्री बसंत कुमार बिड़ला को मौन-श्रद्धांजलि दी गई।

अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में श्री संतोष सराफ ने बताया कि हाल के महीनों में सम्मेलन की सदस्यता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और इसमें उत्कल एवं बिहार की प्रादेशिक शाखाओं ने अग्रणी भूमिका निभाई है। झारखंड, पूर्वोत्तर, पश्चिम बंग प्रादेशिक शाखाओं ने भी सक्रियता बनाये रखी है। दक्षिणी भारत में कर्नाटक, तमिलनाडु के प्रादेशिक शाखाओं का पुनर्गठन हो गया है और आन्ध्र प्रदेश में भी शीघ्र ही चुनाव होगा। इसमें राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण श्री गोवर्धन गाड़ोदिया एवं श्री पवन गोयनका तथा सम्मेलन की सदस्यता-विस्तार उपसमिति के संयोजक एवं दक्षिण भारत के संगठन-विस्तार के प्रभारी श्री बसंत कुमार मित्तल की महती भूमिका रही। श्री मित्तल केरल में भी सम्पर्क कर प्रादेशिक शाखा की स्थापना के प्रयास कर रहे हैं। श्री सराफ ने कहा कि पूरे दक्षिण भारत में संगठन-विस्तार के लिए श्री मित्तल की सक्रिय और धुरीय भूमिका रही है तथा वे साधुवाद के पात्र हैं।

श्री संतोष सराफ ने बताया कि अपनी प्रतिबद्धता के अनुसार उत्तराखंड में विद्यालय-निर्माण हेतु ५५ लाख रुपये की पूरी राशि दी जा चुकी है। उन्होंने लोकसभाध्यक्ष श्री ओम बिरला से सम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल की भेंट, सम्मेलन के वेबसाईट के आधुनिकीकरण, राजस्थानी भाषा पाठशाला की स्थापना, उच्च शिक्षा कोष की प्रगति आदि गतिविधियों के विषय में संक्षेप में बताया। उन्होंने कहा कि यद्यपि

संगठन-विस्तार के क्षेत्र में बहुत अच्छी प्रगति हुई है लेकिन हमें संगठन-विस्तार सहित अपने सभी कार्यक्रमों की गतिशीलता को बनाये रखना जरूरी है।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला ने समिति की पिछली बैठक (६ अप्रैल २०१९; कोलकाता) का कार्यवृत प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। उन्होंने 'महामंत्री की रपट' और 'वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति द्वारा लिए गए निर्णयों पर कार्यवाही की रपट' भी प्रस्तुत की।

सम्मेलन की वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोन्थलिया ने लेखा परीक्षक द्वारा जाँचे गये वित्तीय वर्ष २०१८-१९ के आय-व्यय का लेखा-जोखा तथा संतुलन पत्र, स्वीकृति हेतु, प्रस्तुत किया। उन्होंने लेखा-जोखा तथा संतुलन पत्र के सम्बंध में सदस्यों के प्रश्नों के उत्तर दिए तथा इसके महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। विचार-विमर्श के बाद 'आय-व्यय का लेखा-जोखा तथा संतुलन पत्र' सर्वसम्मति से पारित हुआ।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने अपने सम्बोधन में संगठन-विस्तार में वृद्धि हेतु बधाई दी। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के काम में, सक्रियता में मजबूती आई है। श्री शर्मा ने सम्मेलन-भवन से सम्बंधित प्रगति एवं उच्च शिक्षा कोष के विषय में भी संक्षेप में बताया। उन्होंने कहा कि समाज के समक्ष नयी समस्याओं में साख का प्रश्न चिंतनीय है। लोग अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं कर रहे, जिससे समाज की साख गिर रही है।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया ने कहा कि सेवा-कार्यों पर जोर बना रहना चाहिए, इन्हें और गति देना चाहिए।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने राय दी कि सामाजिक संदेश लोगों तक पहुँचाने कि लिए फिल्मों की सहायता भी ली जाये। उन्होंने कहा कि 'बागवां', 'टॉयलेट एक प्रेमकथा' जैसी फिल्मों ने सशक्त संदेश दिए हैं और मद्यपान निषेध, माँ-बाप के प्रति सेवाभाव आदि के सम्बंध में इस माध्यम का सहारा लिया जा सकता है।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बिनोद तोदी ने बिहार सम्मेलन की गतिविधियों के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि बिहार में करीब १५० शाखायें हैं, जिनमें से ११४ का दौरा किया गया है। वर्तमान सत्र में २,९०० नये सदस्य बने हैं। आम चुनावों के दौरान मतदाता चेतना के लिए भी सक्रिय प्रयास किए गए। प्रतिभा सम्मान समारोह इस वर्ष राजधानी पटना के बजाय सात शहरों में कर रहे हैं, छः समारोह आयोजित किए जा चुके हैं। महाराजा अग्रसेन कन्या विवाह योजना के माध्यम से संसाधनहीन परिवारों की कन्या-विवाह में एवं दिव्यांगों हेतु सहायता-योजना से दिव्यांगों की मदद की जा रही है।

श्री तोदी ने राय दी कि उच्च शिक्षा कोष से अनुदान हेतु आवेदनों पर निपटान की सूचना सम्बंधित प्रादेशिक इकाई को भी दी जाये। उच्च शिक्षा उपसमिति के चेयरमैन डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया ने कहा कि इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा।

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नंद किशोर अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान सत्र में, प्रान्त के २३ जिलों में से २० में पहुँचने का हमारा संकल्प है, १० में हम पहुँच चुके हैं। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री पवन जालान ने इस कार्य में उल्लेखनीय सहयोग दिया। चुनावों के दौरान राजनैतिक चेतना हेतु सभी शाखाओं के मदद से अच्छे प्रयास हुए। श्री अग्रवाल ने संगठन-विस्तार के विषय में संक्षेप में बताया और कहा कि स्थिति संतोषजनक है।

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया ने बताया कि पूर्वोत्तर में समाज के सभी घटक दलों में समन्वय व सहयोग बनाये रखने के लिए प्रांतीय स्तर पर सामाजिक समरसता महासभा का गठन किया गया है जिसके सकारात्मक परिणाम दिख रहे हैं। उन्होंने पूर्वोत्तर में संगठन-विस्तार, सम्मेलन के इतिहास पर एक पुस्तक लिखे जाने, जो शीघ्र पूरी होगी, आदि के विषय में संक्षेप में बताया।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार काबरा ने झारखंड सम्मेलन की गतिविधियों एवं संगठन-विस्तार के विषय में संक्षेप में बताया।

मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री कमलेश नाहटा ने मध्य प्रदेश में सम्मेलन के संगठन-विस्तार में सक्रिय प्रयासों के लिए मध्य प्रदेश के प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने बताया कि संरक्षक सदस्य से विशिष्ट संरक्षक सदस्य में श्रेणी-परिवर्तन हेतु अंतिम तिथि ३० जून २०१९ से बढ़ाकर ३० सितम्बर २०१९ करने के विषय में कुछ सदस्यों का प्रस्ताव उन्हें प्राप्त हुआ है। विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से इसे पारित करने का निर्णय लिया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने बताया कि बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने प्रस्ताव रखा है कि आजीवन सदस्यता शुल्क में परिवर्तन की प्रभावी तिथि ०१ जुलाई २०१९ के बजाय ०१ अक्तूबर २०१९ कर दी जाये। इस पर सभी प्रादेशिक शाखाओं से राय माँगी गई और अधिकतर ने इससे सहमति जताई है। प्रस्ताव पर विचार-विमर्श में सभी उपस्थित प्रादेशिक अध्यक्षों की राय माँगी गई और सभी ने सामान्यत: इस प्रस्ताव पर सहमति जताई।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सम्मेलन के संविधान उपसमिति के चेयरमैन श्री रामअवतार पोद्दार ने विचार-विमर्श में भाग लेते हुए राय दी कि चूँकि परिवर्तन की प्रभावी तिथि अखिल भारतीय समिति ने तय की है, कार्यकारिणी समिति द्वारा इसमें कोई बदलाव उचित नहीं होगा। श्री पोद्दार ने मध्य प्रदेश सम्मेलन की निष्क्रियता एवं वहाँ चुनाव बहुत समय से लम्बित होने के विषय पर भी ध्यानाकर्षण किया और समुचित कार्यवाही की सलाह दी।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री श्री महेश जालान ने विचार-विमर्श में भाग लेते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य रुपया नहीं, लोगों को जोड़ना है, अत: 'संविधान व्यवहार होना चाहिए, हथियार नहीं'। उन्होंने उत्तराखंड में विद्यालय-निर्माण हेतु राशि दिए जाने को अभूतपूर्व कार्य बताया। बिहार सम्मेलन के संगठन-विस्तार, 'नेगचार' पुस्तक प्रकाशित करने के कार्यक्रम, आदि के विषय में भी उन्होंने संक्षेप में बताया। श्री जालान ने राय दी कि रोजगार सहायता कार्यक्रम के विषय में सभी प्रादेशिक शाखाओं को भी पूरी जानकारी दी जाए।

प्रस्ताव पर विचार-विमर्श में भाग लेते हुए पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने विचार-विमर्श के स्तर पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि सभी प्रासंगिक पहलुओं को सामने लाया गया है। यह कहते हुए कि श्री रामअवतार पोद्दार द्वारा संवैधानिक प्रश्न को नकारा नहीं जा सकता लेकिन विशेष परिस्थितियों एवं प्रादेशिक सम्मेलनों के विशेष आग्रह पर, तथा संगठन-विस्तार के हित में उन्होंने प्रस्ताव रखा कि "आजीवन सदस्यता शुल्क में परिवर्तन की प्रभावी तिथि ०१ जुलाई २०१९ के बढ़ाकर ०१ अक्तूबर २०१९

कर दी जाये, लेकिन इस शर्त के साथ कि अखिल भारतीय समिति की अगली बैठक में उससे इस निर्णय पर स्वीकृति लेनी होगी अन्यथा यह परिवर्तन मान्य नहीं होगा।" यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ।

रोजगार सहायता उपसमिति के चेयरमैन श्री दिनेश जैन ने कहा कि तत्काल प्रभाव से रोजगार सहायता उपसमिति की प्रगति के विषय में जानकारी ह्वाट्सअप के माध्यम से भेजी जायेगी। उन्होंने यह सलाह भी दी कि उच्च शिक्षा कोष से सहायता अनुदान के रूप में न देकर ऋण के रूप में दी जाये।

बैठक के अंत में धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री संजय हरलालका ने कहा कि आज की बैठक इस मायने में सार्थक रही कि सभी विषयों पर संविधान के अनुसार लोकतांत्रिक तरीके से विचार-विमर्श और निर्णय लिए गए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष

राष्ट्रीय महामंत्री

Path: Laptop\Avi\Minutes\ExCom Meet – 07 July 2019